इण्डियन ऐयरलाइन्स कारपोरेशन

७९९. **श्री के० सी० सोधिया** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इण्डियन एयरलाइन्स कारपोरेशन के १९५५-५६ के बजट एस्टीमेट में "ईंधन और तेल" की मद में सन् १९५४-५५ के पुनरीक्षित व्यय की अपेक्षा ३० लाख रुपये की वृद्धि के क्या कारण हैं ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) : आधिक्य का कारण हेरन वायुयानों द्वारा नई सेवाओं के प्रवेशन से उड़ान घंटों में वृद्धि और रात्रि वायु डाक सेवाओं में डकोटाओं के स्थान पर स्काईमास्टर का प्रवेशन है, जिसके कारण पेट्रोल की खपत अधिक होती है ।

रेलवे कर्मचारी

८००. **श्री के० सी० सोधिया** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय रेलों में सुपीरियर सर्विस (दूसरी श्रेणी) की कितने प्रतिशत नियुक्तियां प्रतियोगात्मक परीक्षाओं द्वारा और कितने प्रतिशत पदोन्नति द्वारा की जाती हैं ;

(ख) वर्ष १९५५-५६ में अब तक तीसरी श्रेणी के कितने कर्मचारियों को इस श्रेणी में पदोन्नति दी गई ;

(ग) द्वितीय श्रेणी की सेवा के उच्चतम और न्यूनतम वेतन क्रम क्या हैं ; और

(घ) अभी इस श्रेणी में कुल कितने कर्मचारी हैं ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन) : (क) विशेषज्ञों (Specialists) को छोड़ कर, जिनकी संख्या बहुत कम होती है, रेलवे में दूसरे दर्जे की सभी जगहें कर्मचारियों को तरक्की देकर भरी जाती हैं । इन जगहों में प्रतियोगिता के आधार पर सीधे नियक्ति नहीं होती । विशेषज्ञों का चुनाव यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा किया जाता है ।

(ख) २५३ ।

(ग) चिकित्सा विभाग को छोड़ कर सभी विभागों में दूसरे दर्जे का वेतन-क्रम २७५–८०० रु० हैं । चिकित्सा विभाग में यह क्रम ३००–८०० रु० है । मैरीन शाखा (Marine Branch) में विशेषज्ञों की जगहें ५००–७०० रु० और ५६०–८०० रुपये के वेतन-क्रम में रखी गयी हैं ।

(घ) १४२० ।

रेल गाड़ियों में भीड़

८०१. **श्री भीखाभाई** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मालूम है कि औद्योगिक प्रदर्शनी के कारण रेल गाड़ियों में बहुत भीड़ रहती है तथा यात्रियों को गाड़ियों में बैठने का स्थान नहीं मिल पाता ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार औद्योगिक तथा व्यापारिक केन्द्रों से विशेष गाड़ियां चलाने का है ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन) : (क) तथा (ख). जब से नयी दिल्ली में उद्योग प्रदर्शनी शुरू हुई है, कुछ रेलों की कुछ गाड़ियों में भीड़ दिखायी पड़ी है । इसका कारण यही है कि प्रदर्शनी की वजह से लोगों का आना-जाना बढ़ गया है ।

डिब्बे, इंजन, लाइन की क्षमता और स्टेशनों में गाड़ियों के लिये जगह को ध्यान में रखते हुये रेलों की ओर से कोशिश की गयी है कि नयी दिल्ली की भारतीय उद्योग प्रदर्शनी में आने-जाने वालों की भीड़ को कम करने के लिये गाड़ियों में अधिक स्थान की व्यवस्था की जाय । इसके लिये कई गाड़ियों में अधिक डिब्बे लगाये गये हैं, और कुछ स्पेशल गाड़ियां भी चलायी गयी हैं ।